छठा राष्ट्रीय पोषण माह

प्रलिम्सि के लयि:

[आँगनवाड़ी कार्यक्रम](), [महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (MoWCD)](), [गवर्नमेंट ई-मार्केट (GeM)](), [पोषण अभियान](), प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण , [राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013]() (NFSA), [सक्षम आँगनवाड़ी और पोषण 2.0]()

मेन्स के लयि:

पोषण अभियान का महत्त्व और उद्देश्य, सक्षम आँगनवाड़ी तथा पोषण 2.0 का महत्त्व, दृष्टकिोण एवं उद्देश्य

स्रोत: पी.आई.बी.

चर्चा में क्यों?

महिला और बाल वकिास मंत्रालय (Ministry of Women and Child Development- MoWCD) सतिंबर 2023 में **छठा राष्ट्रीय पोषण माह** मना रहा है।

राष्ट्रीय पोषण माह 2023 के प्रमुख बदिु:

- **केंद्र बदिु एवं उद्देश्य:**
  - इसका उद्देश्य **मशिन पोषण 2.0** **के आधार, जीवन-चक्र दृष्टकिोण के माध्यम से** **कुपोषण** **से व्यापक रूप से नपिटना** है।
  - इसका केंद्र बदिु **पूरे भारत में बेहतर पोषण को बढ़ावा** देने के लयि मानव जीवन के महत्त्वपूर्ण चरणों- गर्भावस्था, शैशवावस्था, बचपन और कशिोरावस्था के बारे में व्यापक जागरूकता पैदा करना है।
- **थीम:**
  - **"सुपोषति भारत, साक्षर भारत, सशक्त भारत"** जो **एक स्वस्थ और मज़बूत देश** के नरि्माण में पोषण, शक्षिा एवं सशक्तीकरण के महत्त्व पर ज़ोर देता है।
- **इस वर्ष की पहलें:**
  - महीने भर चलने वाले इस आयोजन में **स्तनपान और पूरक आहार जैसे प्रमुख वषियों पर ध्यान केंद्रति करने वाले अभयिानों के माध्यम से** ज़मीनी स्तर पर पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाने के लयि राष्ट्रव्यापी प्रयास कयि जाएंगे।
  - **इन प्रयासों में नम्निलखिति गतविधियिाँ शामलि हैं:**
    - बेहतर पोषण और समग्र कल्याण के लयि स्वस्थ प्रतस्पिर्द्धा को प्रोत्साहति करने हेतु **स्वस्थ बालक प्रतस्पिर्द्धा** (स्वस्थ बाल प्रतयिोगति)।
    - **पोषण भी पढ़ाई भी** (पोषण और शक्षिा), **मशिन लाइफ (पर्यावरण के लयि जीवनशैली)** के माध्यम से पोषण में सुधार, आदविासी समुदायों को पोषण के वषिय में संवेदनशील बनाना तथा **टेस्ट, ट्रीट, टॉक दृष्टकिोण के माध्यम से** **एनीमयिा** **को संबोधति करना।**
- **वर्ष 2022 की प्रगति:**
  - वर्ष 2022 में पोषण माह के दौरान पोषण से संबंधति प्रमुख वषियों पर ध्यान केंद्रति करते हुए **170 मलियिन से अधकि संवेदीकरण गतविधियिाँ हुई।**
  - प्रत्येक वर्ष **पोषण पखवाड़ा** (मार्च) और पोषण माह (सतिंबर) के दौरान **जन आंदोलन के हस्सिे के रूप में 600 मलियिन से अधकि गतविधियिाँ आयोजति की गई हैं।**

पोषण अभियान

- **परचिय:**
  - यह कुपोषण को व्यापक रूप से संबोधति करने के लयि **भारत सरकार (GoI) की एक प्रमुख पहल है।**

- उद्देश्य:
    - इसका लक्ष्य एक एकीकृत पोषण सहायता कार्यक्रम तैयार करना है जो**पोषण सेवाओं हेतु सामग्री, उनका वितिरण, आउटरीच और समग्र परिणामों में वृद्धि करेगा।**
    - इसका प्राथमिक उद्देश्य **उन प्रथाओं को बढ़ावा देना है जो बीमारियों और कुपोषण की समस्या का समाधान कर व्यक्तियों के** स्वास्थ्य, कल्याण तथा प्रतिरक्षा में सुधार करती हैं।
- लक्षित आबादी:
    - यह **गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं, किशोरियों** और 6 वर्ष से कम उम्र के **बच्चों** को लक्षित करता है।
- पोषण ट्रैकर एप:
    - वर्ष 2021 में MoWCD **ने पोषण ट्रैकर नामक एक एप्लीकेशन लॉन्च किया।**
    - फरवरी 2022 तक **पोषण ट्रैकर पर पंजीकृत लाभार्थियों की संख्या:**

Total Beneficiaries	Lactating Mothers	Pregnant Women	Children 0-6M	Children 6M-3Y	Children 3-6Y
10,10,50,463	52,41,440	80,40,215	45,95,834	4,06,33,040	4,25,39,934

सक्षम आँगनवाड़ी और पोषण 2.0:

- परिचय:
    - वित्तीय वर्ष 2021-22 में भारत सरकार (GoI) ने एकीकृत बाल विकास सेवाओं (ICDS) और पोषण (प्रधानमंत्री समग्र पोषण योजना) अभियान को [सक्षम आँगनवाड़ी और पोषण 2.0] में पुनर्गठित किया।
        - ICDS
        - पोषण अभियान
        - किशोरियों के लिये योजना (SAG)
        - राष्ट्रीय शिशु गृह योजना
- वित्तीयन:
    - पोषण 2.0 को **केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच लागत बँटवारे के अनुपात के आधार पर** राज्य सरकारों/केंद्रशासित प्रदेशों के प्रशासन के माध्यम से लागू किया जा रहा है, यह केंद्र प्रायोजित कार्यक्रम है।
- दृष्टिकोण:
    - यह **6 वर्ष तक के बच्चों, किशोरियों** (14-18 वर्ष) और **गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं** के कुपोषण की चुनौतीपूर्ण स्थिति का समाधान करेगा।
    - सतत विकास लक्ष्यों (शून्य भूख पर SDG 2 और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर SDG 4) की उपलब्धि**इस कार्यक्रम के रुपरेखा में सबसे प्रमुख है।**
    - मिशन बच्चों के स्वास्थ्य और वयस्क उत्पादकता में वृद्धि हेतु**पोषण एवं बचपन की देखभाल** तथा **मौलिक** शिक्षा के **महत्त्व पर ध्यान केंद्रित करेगा।**
- घटक:
    - **06 माह से 6 वर्ष तक आयु वर्ग के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं (PWLM)** को पूरक पोषण कार्यक्रम (SNP) के माध्यम से पोषण सहायता।
        - **आकांक्षी ज़िलों और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में 14 से 18 वर्ष** की आयु वर्ग की किशोरियों को पोषण सहायता।
    - **प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा** (3-6 वर्ष) एवं प्रारंभिक प्रोत्साहन (0-3 वर्ष);
    - आधुनिक, उन्नत सक्षम आँगनबाडी सहित आँगनबाडी बुनियादी ढाँचा।

अन्य संबंधित पहलें

- **एनीमिया मुक्त भारत अभियान**
- **राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA), 2013**
- **प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY**
- **पीएम पोषण शक्ति निर्माण (PM-POSHAN)**

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????????:

प्रश्न. निम्नलिखित में से कौन-से 'राष्ट्रीय पोषण मिशन (नेशनल न्यूट्रिशन मिशन)' के उद्देश्य हैं? (2017)

1. गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में कुपोषण संबंधी जागरूकता उत्पन्न करना।
2. छोटे बच्चों, कशिोरियों और महिलाओं में रक्ताल्पता को कम करना।
3. बाजरा, मोटे अनाज और अपरष्किृत चावल के उपभोग को बढ़ाना।
4. मुर्गी के अंडों के उपभोग को बढ़ाना।

नीचे दयिे गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयिे:

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1, 2 और 3
(c) केवल 1, 2 और 4
(d) केवल 3 और 4

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/6th-rashtriya-poshan-maah